Vol 1 Issue 2 Nov 2011

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Sanjeev Kumar Mishra

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

Research Papers

सच्चा देश भक्त–हरिसर्वोत्तम राव

श्री शेक सलीम बाषा

हिन्दी प्राध्यापक, उस्मानिया कॉलेज,कर्नूल (आ.प्र.)

सारांश

गाडिचेर्ला हरिसर्वोत्तम राव का नाम होठों पर लाते हुए मेरा हृदय श्रद्धा और भक्ति से भर उठता है, और मस्तक अपने आप ही झुठ जाता है। वे इस समय पर नहीं हैं, पर उसके दैवी गुण और ऊँचे विचार सदा हमारे कानों में गूँजते रहते है। वे अपने ऊँचे विचारों और साहित्य के रूप में जो संपत्ति छोड गये हैं, उनसे हम सदा–सदा लाभ उठाते रहेंगे। उनके ऊँचे विचार युगों तक हमें इस बात की शिक्षा देते रहेंगे कि हमें अपने जन्मसिद्ध अधिकारों के लिए किस प्रकार निर्भीकता के साथ संघर्ष करना चाहिए, और किस प्रकार उन विपत्तियों से जूझना चाहिए, जो शिलाओं की दीवारों की तरह मार्ग में आकर खडी हो जाती हैं। आज हम जिस सस्वराज्य का उपभोग कर रहे हैं, उसकी गम्भीर घोषणा सर्व प्रथम हरिसर्वोत्तम राव ने ही की। 'स्वराज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है'.यह वाक्य सर्व प्रथम बालगंगाधर तिलक के बाद दक्षिण भारत में हरिसर्वोत्तम राव के मुख से निकला था। वे आजीवन अपने इस अधिकार के लिए संघर्ष करते रहे। वह भी बडे वीरता तथा निर्भीकता के साथ। उनकी वीरता और निर्भीकता वन्दनीय है.प्रशंसनीय है।

प्रस्तावना :

गाडिचेर्लो हरिसर्वोत्तम राव 14 सितंबर 1883 में कर्नूल में पैदा हुए थे। माँ का नाम भागगीरथी बाई और बाप का नाम वेंकटराव था। इनके छे महीनों के उम्र में ही इनकी माँ का देहाँत हो गया। इनके पिता दूसरी शादी करलेते हैं। इनकी प्रारंभिक शिक्षा कर्नूल के मुनिसिपल हाई स्कूल में हुई। कडी मेहनत के साथ पढते थे। पढाई में बडे होनकर थे। हर विषय का ज्ञान रखते थे। उनकी लिखावट मोती के तरह रहती थी। शोषावधानी आपके गुरू थे। इनका प्रभाव हरिसर्वोत्तम राव पर पडा। इनकी प्रेरणा से 1893 से 1900 तक स्कूल की शिक्षा को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुये। उच्चशिक्षा प्राप्त करने के लिए आप मद्रास पहूँचे। मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज में बि.ए. एम.ए.पूरा किये। आश्चर्य की बात यह है कि उन दिनों में दक्षिण भारत में एम. ए. किये हुए वालों में हरिसर्वोत्तम राव दूसरे व्यक्ति थे और पहले व्यक्ति मद्रास राज्य सरकार के मुख्यमंत्री पानुगंटि रामारायणिं थे।

1907 में एम.ए. पूरा करने के बाद अध्यापक शिक्षण के लिए राजमंड्री में अध्ययन करने के लिए गये। सुबह कलाशाला जाते थे और रात में अनपढ और गंवार लोगों को पढाई सिखाते थे। उन दिनों में 90 लोगों को पढाई सिखाये थे। शायद हमारे राज्य में यही सबसे पहले शुरू हुई वोयजन विद्या कार्यक्रम है। इन दिनों में देश की आजादी को लेकर कई लोग देश भर में अंग्रेजो के खिलाफ लड रहे थे। स्वतंत्रता संग्राम में बाल, लाल, पाल के नाम जोरों से प्रचार हो रहा था। बाल माने बालगंगाधर तिलक, लाल माने लालालजपति राय और पाल माने बिपिनचंद्र पाल। तिलक के अध्यक्षता में पूरे भारत में ''वंदेमातरम'' आंदोलन शुरू हो चुकी थी। इस आंदोलन का प्रभाव सर्वोत्तम राव पर पडा उनमें छिपी हुई देशभक्ति जाग उठी। 1908 में बिपिनचंद्र पाल के आगमन से गाडचेर्ला के जीवन में बहुमुल्य परिवर्तन आ गया। ''वंदेमातरम'' कहके पुकारते हुए पाल के भाषण का सुनने के बाद उनमें छिपी हुई देशभक्ति जाग उठी। उसी जोश दूसरे दनि वंदेमातरम बिल्ल कमीज पर लगाकार राजमंड्री ट्रइनिंग कलाशाला को जाते हैं। इससे कलाशाल के प्रिन्सिपाल हंटर क्रोधित होते हैं और उनको कालेज से निकाल देते हैं। गाडचिर्लो जी का साथ कालेज के सारे छात्र देते हैं। इससे अंग्रेजी

सरकार क्रोधित होकर 18 जून 1907 में गाडितर्लो को सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओ में कहीं भी नौकरी नही दिया जाय जैसा सरकारी कानून जारी करते हैं और 160 छात्रों पर जुर्माना डालती है। गाडिचेर्ला को साफसाफ मालूम हो जाता है कि उसे देशभर में नोकरी कहीं नहीं मिलेगी। इसके बाद वह स्वतंत्रता संग्राम में शेर के जैसा कूद पडते हैं।

1907 में विजयवाडा मे ''स्वराज्य'' पत्रिका के संपादक बनते हैं। जिसमें अंग्रेजों के खिलाफ जोरदार लेख लिखते हैं। जिससे ऊबकर अंग्रेजी सरकार उन पर राजद्रोह का आरोप लगाकार 1908 में गिरफतार करते हैं। 1908 से 1911 तक तीन साल जेल काटते हैं। 1914 में मद्रास में ''आन्ध्रा दैनिक समाचार पत्र' की स्थापना करते हैं। यहाँ से कई पत्रिकाओं की शुरूआत करते हैं। 1919 में सौंदर्यवल्ली पत्रिका, 1922 में मातृसेवा पत्रिका, 1930 में मद्रास ग्राम पंचायत पत्रिका,1963 में आन्ध्रा पत्रिका आदि के संपादक रहे।

इन दिनों में आपका परिचय देश के बडे.बडे नेताओं के साथ हुआ। गाँधी, नेहरू, जिन्ना, चित्तरंजनदास, पटेल, तिलक, लाला लजपतिराय, बिपिनचंद्रपाल आदि महान देश भक्तों के साथ आपका परिचय था। कुछ विषयों पर आप गाँधी, नेहरू, जिन्ना के बातों का खंडन करते थे। वे स्वयं उनको पत्र लिखकर अपनी मनोभावना को निर्भीकता के साथ सुनाते थे। स्वयं गाँधी अपनी गलती को मानकर माफी माँगते थे। उनकी प्रशंसा नेहरू कई बार कर चुके हैं। आपके बातों को सुनकर जिन्ना आपकी गलती को मान लेते हैं और उनकी स्तुति करते हैं।

हरिसर्वोत्तम राव खुलकर देश सेवा में लग जाते हैं। आन्ध्रप्रदेश के कई शहरों और गाँवो में ग्रंन्थालयों की स्थापना, करते हैं, और वयाजन विद्या की व्याप्ति से लोंगों को ज्ञानन्वित करने का व्रत धारणा कर लेते हैं। आप कई रचनाये करके लोगों तक अपनी साहित्य को पहुँचाने लगते हैं। रेडियों में कई विषयों पर भाषणा देकर लोंगों को जगाते हैं। इनकी पत्नी रामाभाई इनके साथ अपनी पूरी सहकारिता को देती है। वह कभी भी आपके रास्ते में बाधा नहीं पहुँचाई। जेल में पति की दीन हालत देखकर मूर्छित हो जाती है। जेल से आने के बाद पत्नी के साथ जीवन बिताते हैं। आपकी पत्नी भी पति के रास्ते पर चलकर देश सेवा में लगजाती है। 1942 में रामाभाई की मृत्यू आपके गोद में होती है। जिससे आप बहुत दुखी होते हैं।

इस प्रकार गाडचेर्ला हरिसर्वोत्तम जी देश की सेवा करते.करते 29 फरवरी 1960 को स्वर्गवास हो जाते हैं। युग के साथ चलनेवाले तो अनेक होते हैं, परन्तु युग परिवर्तनकारी कोई निराला ही होता है। इस प्रकार के महापुरूष शताब्दियों की प्रतिक्षा के पश्चात अवतरित होते हैं। इनका आगमन जिस देश अथवा राष्ट्र में होता है उसकी काया पलट हो जाती है। वह देश क्या से क्या बनजाता है हमें हरिसर्वोत्तम राव के जीवन से मालूम होता है। आज हम आजादी के फल को भाग रहे हैं। इस आजादी को दिलाने में गाडिचेर्ला जी जो कष्ट उठाये हैं, उनको पढने के बाद दिल हिल जाता है।

युग बीत जाने पर भी सत्यवादी हरिशचन्द्र, राजा रन्तिदेव, महायोद्य अर्जून, महादानी कर्ण, अहिंसावादी गाँधी, शांतिदूत नेहरू, आन्ध्रा तिलक गाडिचेर्ला हरिसर्वोत्तम राव आदि का नाम लोग इसी कारण श्रद्धा और उत्साह से लेते हैं कि उन्होंने विश्व के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किये हैं। ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जो शाश्वत प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा। इतएव महापुरूषों की जीवनगाथा ही विश्व का इतिहास है।

कितना अच्छा होता कि हम गाडिचेर्ला हरिसर्वोत्तम राव जी के आदर्शो को ग्रहण कर सकते और कर सकते उनके अनुसार अपने जीवन को धन्य। क्योंकि उनके जीवन के आदर्श ऐसे हैं, जिनसे हमारे जीवन में ही नहीं हमारे समाज और राष्ट्र के आँगन में भी सुख के सूर्य की सुनहरी किरणे फूट सकती है। हम सबको इसके लिए प्रयत्न करना चाहिए। अगर हम एसा करें, तभी हमारे गाडिचेर्ला सर्वोत्तम राव की जयंती मनाना सफल कहा जा सकता है।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com